

साधो सो सतगुरु मोहिं भावै

साधो सो सतगुरु मोहिं भावै।

सत्त प्रेम का भर भर प्याला,आप
पिवै मोहि प्यावै।
साधो सो सतगुरु मोहिं भावै...

परदा दूर करै आँखिन का,ब्रह्म
दरस दिखलावै।
जिस दरसन में सब लोक दरसै,
अनहद सबद सुनावै।
साधो सो सतगुरु मोहिं भावै...

एकहि सब सुख-दुःख दिखलावै,
सबद में सुरत समावै।
कहैं कबीर ताको भय नाहीं,
निर्भय पद परसावै।
साधो सो सतगुरु मोहिं भावै...

बाबा धसका पागल पानीपत
संपर्कसुत्र-7206526000

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35925/title/sadho-so-satguru-mohin-bhave>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |